मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–24

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.डी.–24 : मध्यकालीन कविता–2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) सर्व लोक व्यवहार स्थितिर्नोत्या बिना न हि।

यथा शनैर्विना देहस्थितिन स्याहि देहिनाम्॥

(ख) बिन पूछे ही कहत है सज्जन हित के बैन।

भले बुरे कौं कहत है, ज्यों तमचर गत रैन॥

(ग) रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।

जहाँ काम आवै सुई, कहा करे तलवारि॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(घ) प्रेम प्रीति के बिरवा चलेहु लगाय।

सींचन की सुधि लीजो मुरझि न जाय॥

2. रहीम की भाषागत विशेषताएँ बताइए। 10

3. मतिराम के प्रकृति–वर्णन की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10

4. देव के परवर्ती कवियों पर इनका प्रभाव स्पष्ट कीजिए। 10

5. नायक–नायिका भेद का विश्लेषण कीजिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 5 = 10$

(क) रीतिकाल पर आधुनिक दृष्टि

(ख) नीतिकाव्य और रहीम

(ग) केशवदास का आचार्यत्व

(घ) देव की कविता में दर्शन

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com